IKSV XV-XVI 16

कोविद अंतिमवर्ष, परीक्षा-2016

गायन/स्वर वाद्य

द्वितीय प्रश्न पत्र

समयः 3 घण्टे **पूर्णांक-100**

1. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 600 शब्दों में निबन्ध लिखिये :- **25**

अ- संगीत में वाद्यों की उपयोगिता ।

ब- संगीत में स्वरलिपि का महत्व ।

स- लोकसंगीत एवं रागदारी संगीत का पारस्परिक संबंध ।

Write an essay on any one of the following topics (in about 600 words):-

(a) Utility of instruments in Music.

(b) Importance of notation system in music.

(c) Interrelationship between Folk music and Classical music.

2. निम्नलिखित में से किसी एक पद्यांश अथवा बोलों को पाठ्यक्रम के किसी उपयुक्त राग एवं ताल में स्वरलिपिबद्ध कीजिये :- **20**

Compose and write notation of any one poem or bols of the following in appropriate Raga and Tala from your syllabus.

अ- दरस बिन दूखण लागे नैन ।।
जबसे तुम बिछड़े मेरे प्रभु,
कबहूँ न पायो चैन ।
सबद सुनत मेरी छतियां कांपैं
मीठे लागें बैन ।।

अथवा

ब- सखियन संग रार करत कुँवर कन्हाई ।
बाट चलत बाँह गहत, मानत ना ढीठ लंगर,
चूनर पर रंग डार, गागर ढरकाई ।।

स- दा दिरि दा रा दा दिरि दा रा
दा रा दिरि दिरि दाऽ रदा ऽरा दा
दा दिरि दा रा दा रा दा ऽ
दा दिरि दा रा दा दिरि दा रा
दा दिरि दिरि दिरि दाऽ रादा ऽरा दा
दा दिरि दा, दा ऽरा दा, दा रा

अथवा

द- दा दिर दा दा दिर दा दा दिर दा दा ऽर दा
दा ऽ दा रा दा दिर दिर दिर दाऽ रदा ऽर दा
दा दिर दा रा दा रा दा दिर दा रा दा ऽ
दा दिर दा दा ऽर दा दा दिर दा दा ऽर दा

3. निम्नलिखित में से किन्हीं दो रागों में उच्चस्तरीय 5-5 आलाप लिखिये । **10**

अ- दरबारी कान्हड़ा ब- शुद्ध सारंग
स- गौड़ मल्हार द- मधुवन्ती

Write high standard 5 Aalaps each of any two Ragas of the following:-

(a) Darbari Kanhada (b) Shuddha Sarang
(c) Gaud Malhar (d) Madhuvanti.

4. झपताल को डेढ़गुन (2 में 3), तीनताल को पौनगुन(4 में 3) तथा रूपकताल को सवागुन (4 में 5) लयकारी में लिखिये । **15**

Write Jhaptal in Dedhagun (3 in 2), Teental in Paungun (3 in 4) and Roopak tal in Sawagun (5 in 4) Layakari.

IKSV XV-XVI 17

5. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन रागों का शास्त्रीय परिचय दीजिये:- **30**

अ- जोगकौंस ब- मध्यमादि सारंग स- भटियार
द- आभोगी कान्हड़ा इ- गुणकली (भैरवथाट) ।

Give theoritical introduction of any three Ragas from the following:-

(a) Jogkauns (b) Madhyamadi Sarang (c) Bhatiyar
(d) Aabhogi Kanhda (e) Gunkali (Bhairav Thaat)

xx